हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें

Web:- www.jokhimnews.com

सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 125 हल्द्वानी (नैनीताल) बुधवार 18 मार्च 2026 मूल्य रू 2 पृष्ठ : 8

भारत सहित पूरे विश्व पर आए वैश्विक संकट

रामनगर (संवाददाता)। संयुक्त संघर्ष समिति के रामनगर से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधियों ने अमेरिका इजरायल द्वारा ईरान पर जबरन थोपे गये युद्ध के कारण भारत सहित पूरे विश्व पर आए वैश्विक संकट, गैस एवं क्रूड ऑयल की कमी के समाधान के लिए भारत सरकार से पूर्व से आ रही भारत की तटस्थता की नीति अपनाते हुए संबंधित पक्षों से वार्ता कर युद्ध रोकने के लिए प्रभावी भूमिका निभाने का अनुरोध किया है। देवभूमि व्यापार मंडल सभागार में संयुक्त संघर्ष समिति के सदस्य व उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के प्रधान महासचिव राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी की अध्यक्षता एवं सामाजिक कार्यकर्ता कैसर राणा के संचालन में संपन्न हुई बैठक में वक्ताओं ने अमेरिका- इजरायल एवं ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण निर्दोष लोगों की हत्या एवं वैश्विक संकट के लिए अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियों एवं संप्रभु देशों की संप्रभुता पर की जा रही दखल अंदाजी नीति पर चिंता जताते हुए वर्तमान संकट के लिए अमेरिका को जिम्मेदार बताया। युद्ध के कारण ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ हारमुज के समुद्री रास्ते को

बाधित कर देने के कारण भारत सहित पूरे विश्व में गैस एवं तेल का संकट गहरा गया है। जिसके कारण लोगों के रोजमर्रा की जिंदगी एवं उद्योगों पर विपरीत असर पड़ा है।संयुक्त संघर्ष समिति से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधियों ने युद्ध के कारण गैस एवं तेल संकट से निपटने के सरकार द्वारा लिए गए निर्णय एवं बयानों के कारण लोगों में असुरक्षा एवं भय पैदा होने के कारण अफरातफरी की स्थिति बनी हुती है। सरकार द्वारा बार-बार घोषणा एलपीजी सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है।सरकार के पास भरपूर स्टॉक है और उत्पादन 20% बढ़ गया है जमीनी हकीकत से मेल नहीं खा रहा है जिसके कारण लोगों के मन में विश्वास पैदा नहीं कर पाया क्योंकि सरकार द्वारा जिस तरह से एकाएक एलपीजी घरेलू एवं कामर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि की गयी,बुकिंग का टाइम पीरियड बढ़ाया गया, कमर्शियल सिलेंडर के उपभोग पर प्रतिबंध लगाया।सिलेंडर डिलीवरी का अतिरिक्त समय बढ़ाया गया । जिससे भगदड़ की स्थिति बन गई। सरकार द्वारा दिए जा रहे बयानों एलपीजी गैस की कोई कमी नही है उसके बावजूद एजेंसी का लगातार बैकलॉग बढ़ता जा रहा है। वक्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्र में गैस बुकिंग का टाइम 45 दिन करने पर भी आक्रोश व्यक्ति किया और इसे 25 दिन ही करने का मांग की है। बैठक में 19 मार्च गुरुवार को संयुक्त संघर्ष समिति से जुड़े लोगों ने समस्या के समाधान की मांग के लिए उप जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया है।

काठगोदाम से दानीजाला -अमृतपुर बाईपास मोटर मार्ग निर्माण के लिए 1करोड़ 75 लाख स्वीकृति विधायक कैड़ा ने किया मुख्यमंत्री धामी का आभार व्यक्त

भीमताल (संवाददाता)। विधायक राम सिंह कैड़ा ने कहा काठगोदाम से रानीबाग के बीच गुलाब घाटी के पास हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिस कारण भीमताल विधानसभा क्षेत्र सहित कुमाउ के लोगो और पर्यटको को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था! लगातार जाम की स्थिति बनी रहती थी विधायक कैड़ा ने जाम से निजात दिलाने हेतु मुख्यमंत्री धामी से काठगोदाम से दानीजाला -सिमलखेत होते हुऐ भ्डज अमृतपुर तक बाईपास बनाने की मांग की! विधायक राम सिंह कैड़ा की मांग पर बाईपास साढ़े 3 किमी मोटर मार्ग की मुख्यमंत्री

ने 1 करोड़ 75 लाख स्वीकृति कर शासनादेश हो गया है विधायक कैड़ा कहा ने इस मोटर मार्ग का निर्माण 3 चरणों मै किया जाना है! प्रथम चरण में में पहाड़ कटान का कार्य किया जायेगा!द्वितीय चरण में दीवारों का निर्माण व पुल का निर्माण किया जायेगा!सड़क के निर्माण की स्वीकृति मिल गई है विधायक राम सिंह कैड़ा ने कहा जल्दी ही काठगोदाम से भ्डज- अमृतपुर बाईपास मोटर मार्ग का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा!भीमताल विधानसभा सहित पुरे कुमाउ के लोगो को जाम से निजात मिलेगा!मोटर मार्ग की स्वीकृति मिलने पर विधायक कैड़ा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व सांसद अजय भट्ट का आभार व्यक्त किया है!

रामनगर में दर्दनाक सड़क हादसा, काशीपुर के दो युवकों की मौत, एक अन्य घायल

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर-हल्द्वानी मार्ग पर ग्राम छोई पड़ाव के पास हुए एक भीषण सड़क हादसे में काशीपुर निवासी दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद जहां परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम खरमासा कुंडेश्वरी काशीपुर निवासी 19 वर्षीय रोशन प्रीत पुत्र कुलदीप सिंह और 19 वर्षीय जसन दीप पुत्र हरमान

सिंह जो कुंडेश्वरी क्षेत्र में स्कूल वैन चलाने का काम करते थे।मंगलवार को किसी वाहन का पार्ट्स लेने के लिए मोटरसाइकिल से हल्द्वानी जा रहे थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही वे बाइक सवार दोनों छोई क्षेत्र के पास पहुंचे, तभी एक अज्ञात कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद उनकी बाइक सामने चल रहे एक टेंपो से जा भिड़ी।इस हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं टेंपो चालक गूलरघट्टी रामनगर निवासी मोहम्मद असलम भी घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से रामनगर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलते ही कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक दीपक बिष्ट, छोई पुलिस चौकी इंचार्ज तारा सिंह राणा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और अस्पताल में पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

कार और जिप्सी की भिड़ंत में महिला पर्यटक सहित तीन लोग घायल, पुलिस जांच में जुटी

रामनगर (संवाददाता)। नेशनल हाईवे 309 रामनगर-काशीपुर मार्ग पर मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में महिला पर्यटक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए,घटना रामनगर के रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप हुई, जहां एक अनियंत्रित कार,जिप्सी से टकरा गई।पुलिस के अनुसार महिला पर्यटक शेफाली चावला निवासी पंजाब से अपने परिवार के साथ रामनगर में घूमने आई थी।जिप्सी में फाटो पर्यटन जोन से लौट रही थी,इसी दौरान एक कार चालक द्वारा कार को नियंत्रित न किए जाने के कारण जिप्सी से टकरा गई,बताया जाता है कि इससे पहले कार ने 2ख्3 बाइकों को भी टक्कर मारी थी, जिनमें से एक बाइक में सवार दो युवक विकास और प्रताप सिंह काशीपुर निवासी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद घायलों को रामनगर के प्राइवेट अस्पताल बृजेश हॉस्पिटल लाया गया। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि महिला पर्यटक शेफाली चावला और बाइक सवार विकास का उपचार अस्पताल में जारी है, जबकि प्रताप सिंह की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया,घटना की जानकारी मिलने के बाद रामनगर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। शुरुआती जांच में यह पता चला

है कि जिप्सी चालक राकेश शर्मा के वाहन की टक्कर में यह दुर्घटना हुई,पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कार चालक की पहचान कर उसे हिरासत में लेने की तैयारी की जा रही है। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक दीपक बिष्ट ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।जांच के बाद आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।स्थानीय लोगों और पर्यटकों का कहना है कि यह मार्ग अक्सर खतरनाक हो जाता है, खासकर जब वाहनों की गति नियंत्रित नहीं होती।

सम्पादकीय

केंद्र का दिशा-निर्देश

इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि केंद्र असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए।पूरे भारत को अपनी विचारधारा के रंग में ढालने की मुहिम में जुटी नरेंद्र मोदी सरकार को ऐसे कदमों पर हो रही प्रतिक्रियाओं को लेकर अवश्य सचेत रहना चाहिए। इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि सरकार असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। इस हफ्ते ऐसी दो घटनाएं हुईं, जिन्हें केंद्र के अति-उत्साह की प्रतिक्रिया समझा जाएगा।बीते 28 जनवरी को केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत गाना और वंदे मातरम के सभी छह स्तोत्र गाना अनिवार्य कर दिया था। गुजरे मंगलवार को नगालैंड विधानसभा ने इस मुद्दे को प्रवर समिति को भेजने का फैसला किया कि क्या ये दिशा-निर्देश उस राज्य पर भी लागू होता है। इसके पहले बजट सत्र की शुरुआत पर पहली बार गन-गण-मन से पहले सदन में वंदे मातरम गाया गया। उस पर भाजपा को छोड़ सभी दलों के सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनमें सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दल भी हैं, हालांकि ये गठबंधन केंद्र में सत्ताधारी एनडीए का हिस्सा है। कई सदस्यों ने कहा कि इस मामले से ष्संवैधानिक एवं अंतरात्मा से संबंधितष सवाल खड़े हुए हैं। यह भी कहा गया कि केंद्र का दिशा-निर्देश देशभक्ति और एकरूपता का घालमेल करता मालूम पड़ा है।इस बीच रेलवे स्टेशनों पर अन्य लिपियों में हिंदी शब्द लिखने को लेकर तमिलनाडु में विवाद गरमा गया है। बुधवार को तिरुचि स्टेशन पर अधिकारियों ने हिंदी, अंग्रेजी, और तमिल में लिखे कर्त्तव्य-द्वार शब्द को हटा दिया। कहा कि ऐसा जन भावनाओं का ख्याल करते हुए किया गया है। इसके पहले डीएमके समर्थकों ने गेट पर बने मेहराब पर लिखे इन शब्दों पर कालिख पोत दी थी। मुख्यमंत्री एमके। स्टालिन ने इसे श्एक भाषा, तीन लिपिश् नीति बताते हुए इस पर कड़ा एतराज जताया था। संकेत हैं कि तमिलनाडु में अब अन्य जगहों पर भी हिंदी विरोधी समूह इस मुद्दे पर विरोध जताने की तैयारी में हैं। ऐसी हर घटना राष्ट्रीय मेलजोल की भावना में पेच डालती है। अतः उचित यही होगा कि इन पर अविलंब ध्यान दिया जाए।

केदारनाथ यात्रा से मिले राजस्व के उपयोग पर उठे सवाल

रुद्रप्रयाग केदारनाथ के पूर्व विधायक मनोज रावत ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता कर सरकार और प्रशासन पर केदारनाथ यात्रा से प्राप्त राजस्व के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2013 की आपदा के बाद कच्ची दुकानों के आवंटन में टेंडर प्रक्रिया नहीं होती थी, लेकिन अब इसे लागू कर दिया गया है। कहा कि इससे स्थानीय लोगों पर असर पड़ेगा। साथ ही पिछले 10 वर्षों से राजस्व का अधिकार जिला पंचायत से हटाकर जिला प्रशासन को सौंप दिया गया है। मनोज रावत ने कहा कि घोड़ा-खच्चरों से टैक्स के रूप में करीब 40 करोड़ रुपये वसूले गए, जिनमें से अधिकांश धनराशि का उपयोग जनपद के नियोजित विकास कार्यों में नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि जिस तरह घोड़ा-खच्चरों से राजस्व लिया जाता है उसी तरह हेलिकॉप्टर कंपनियों से भी राजस्व वसूला जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि दुकानों के आवंटन और घोड़ा-खच्चरों के पंजीकरण के नाम पर गरीबों का शोषण किया जा रहा है। पहले संचालकों को 80 प्रतिशत तक बीमा सब्सिडी दी जाती थी, जो अब बंद कर दी गई है, जबकि उनसे वसूले गए राजस्व का उपयोग उनके हित में नहीं हो रहा है। उन्होंने पूरे मामले की जांच की मांग करते हुए कहा कि सरकार ने इसे राजस्व वसूली का माध्यम बना दिया है।

बिहार के बाद अब पश्चिम बंगाल की बारी

एस. सुनील

अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है।भारतीय जनता पार्टी ने बिहार का किला फतह कर लिया है। अब पश्चिम बंगाल की बारी है। ध्यान रहे उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत के सिर्फ तीन बड़े राज्य ऐसे थे, जहां भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया था। 2024 में उनमें से एक राज्य ओडिशा में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की और उसका मुख्यमंत्री बना। भाजपा ने 25 साल का नवीन पटनायक का राज खत्म किया। उसके बाद अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है। इतिहास में भी दिल्ली और देश पर उसी का राज मजबूत हुआ, जिसका बंगाल पर कब्जा था। दक्कन यानी दक्षिण भारत की लड़ाई उसके बाद लड़ी जाती है। हालांकि भाजपा एक साथ दक्षिण भारत की लड़ाई भी लड़ रही है।बहरहाल, पश्चिम बंगाल की चुनावी लड़ाई आर-पार की सिर्फ इसलिए नहीं है कि वहां भाजपा को अपनी सरकार बनानी है या अपना मुख्यमंत्री बनाना है। यह कई दूसरे कारणों से आर-पार की लड़ाई है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और बंगाली हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ा चुनाव है। ध्यान रहे हर चुनाव के साथ सुरक्षा की चिंता गहराती जाती है। पांच साल पहले जो चुनाव हुआ वह भी राष्ट्रीय सुरक्षा और बंगाली हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ा था। तभी भाजपा के पक्ष में व्यापक हिंदू ध्रुवीकरण हुआ था। भाजपा को 40 फीसदी से कुछ कम वोट मिले थे। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद जो हुआ उसने चिंता को कई गुना बढ़ा दिया। दो मई 2021 को आए नतीजों के बाद राज्य के कई हिस्सों में बड़ी हिंसा हुई। भाजपा का समर्थन करने वाले हिंदुओं की पहचान पहले से की गई थी। नतीजों के बाद उनके घरों पर हमले हुए। उनको मारा गया। सैकड़ों हत्याएं हुईं, जिसे नस्ली सफाए की कोशिश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।इस बार के चुनाव पर उस डर का साया साफ दिख रहा है। बंगाल के लोगों को इस डर से बाहर निकलना होगा। भारतीय जनता पार्टी को यह भरोसा दिलाना होगा कि वह आम लोगों के साथ खड़ी है। सुरक्षा बलों की तैनाती अपनी जगह है। लेकिन वह स्थायी समाधान नहीं है क्योंकि केंद्रीय बलों की तैनाती अनंतकाल तक नहीं हो सकती है। तृणमूल कांग्रेस के राज और उसमें एक समुदाय की ओर से होने वाले अत्याचार से त्रस्त लोगों को अगर यह भरोसा नहीं हुआ कि भाजपा जीतेगी और उसके बाद जमीनी हालात बदलेंगे, तब तक वह हिम्मत के साथ मतदान के लिए नहीं निकलेगा। उसके मनोविज्ञान में पिछली बार के चुनाव के बाद हुई हिंसा की तस्वीरें बैठी हुई हैं। इसलिए वह डरा हुआ है लेकिन यह भी चाहता है कि किसी तरह के बदलाव हो। यह पहला मौका है, जब बांग्लाभाषी हिंदू वास्तव में इस बात की चिंता कर रहा है कि अगर तृणमूल कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई तो उसका क्या होगा! इसलिए वे सत्ता परिवर्तन चाहते हैं लेकिन उससे पहले उनको हौसला और संबल चाहिए।इस बार का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए अपने साथ साथ परिवार और पार्टी का अस्तित्व बचाने वाला चुनाव बन गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पता है कि अगर उनकी पार्टी चुनाव हारी तो उसका हश्र भी वैसा ही होगा, जैसा वामपंथी मोर्चे की जीत के बाद कांग्रेस का हुआ था और तृणमूल की जीत के बाद वाम मोर्चे की पार्टियों का हुआ था। एक बार चुनाव हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद कोई साथ नहीं देगा। तभी वे भी आर-पार की लड़ाई की तैयारी में हैं। उनकी तैयारी में एक बड़ी बाधा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से पैदा हो रही है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के सारे दांव फेल कर दिए हैं। गौरतलब है कि बिहार में एसआईआर शुरू होने के बाद पश्चिम बंगाल की सरकार ने बड़े पैमाने पर लोगों को ऐसे प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए, जो एसआईआर की प्रक्रिया में मददगार बने। तभी एसआईआर के पहले चरण के बाद बंगाल में 58 लाख ही नाम कटे, जबकि बिहार में 69 लाख नाम कटे थे।एसआईआर के दूसरे चरण के बाद यानी तमाम अदालती हस्तक्षेप के बाद जो अंतिम मतदाता सूची सामने आई उसमें भी 60 लाख नाम विचाराधीन कर दिए गए। इन मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच का जिम्मा अब न्यायिक अधिकारियों के हाथ में है। पिछले एक हफ्ते में इन 60 लाख मतदाताओं में से सिर्फ 10 फीसदी यानी छह लाख मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच हो पाई है। ध्यान रहे अगले एक हफ्ते में पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। सोमवार और मंगलवार को चुनाव आयोग की टीम बंगाल में रहेगी और लौटने के बाद अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देकर चुनाव की घोषणा कर दी जाएगी। जाहिर है इतने कम समय में सभी 60 लाख नामों की जांच नहीं हो पाएगी। इस बीच राज्य की विपक्षी पार्टियों, जिसमें वाममोर्चा और कांग्रेस मुख्य हैं, ने यह मांग शुरू कर दी है कि जब तक सारे नामों की जांच नहीं हो जाती है तब तक चुनाव की घोषणा नहीं होनी चाहिए।

अगर ऐसा होता है तो यह ममता बनर्जी के लिए ज्यादा चिंता की बात होगी क्योंकि 60 लाख मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच के लिए चुनाव टालना पड़ेगा और अगर चुनाव टला तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लग जाएगा। ध्यान रहे पूर्व आईपीएस अधिकारी और तमिलनाडु में तीन साल से ज्यादा समय तक राज्यपाल रहे रविंद्र नारायण रवि को बंगाल का राज्यपाल बनाया गया है। वे बिहार के रहने वाले हैं। राष्ट्रपति शासन लगते ही सरकार की कमान उनके हाथ में चली जाएगी।

शासन और नौकरशाही की कमान हाथ से निकलने के बाद ममता बनर्जी की पार्टी और उनके कैडर में घबराहट बढ़ेगी, जिसका बहुत बड़ा चुनावी नुकसान उनको हो सकता है। पिछले दिनों ममता बनर्जी ने कहा कि उनके चुनाव क्षेत्र भबानीपुर में 44 हजार नाम काटे गए हैं और कई हजार नाम विचाराधीन रखे गए हैं। इसके आगे उन्होंने कहा कि अगर एक भी मतदाता बचेगा तो वे ही चुनाव जीतेंगे। इससे ऐसा लग रहा है कि वे नहीं चाहती हैं कि चुनाव टले और राष्ट्रपति शासन में चुनाव हो। वे चाहेंगी कि भले 40 या 50 लाख नाम और कट जाएं, लेकिन चुनाव समय पर हो जाए। ऐसा होता है तो यह अभूतपूर्व बात होगी। ध्यान रहे बंगाल में अंतिम मतदाता सूची में 63 लाख से ज्यादा नाम कटे हैं और 60 लाख नाम विचाराधीन हैं। अगर समय पर चुनाव होता है तो संभव है कि बंगाल में एक करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के बगैर चुनाव हो।बहरहाल, एक तरफ भाजपा की आखिरी किला फतह करने की तैयारी है तो दूसरी ओर बांग्ला भाषी हिंदुओं की सुरक्षा का मामला है और तीसरी ओर ममता बनर्जी की अपनी चिंताएं हैं। लेकिन इन तीनों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा भी जुड़ा हुआ है। पश्चिम बंगाल की सीमा बांग्लादेश से लगती है और राज्य सरकार की ओर से जमीन नहीं दिए जाने की वजह से बड़े इलाको में बाड़ लगाने का काम नहीं हो पाया है। इसकी वजह से घुसपैठ और तस्करी बहुत आम है। पश्चिम बंगाल और बिहार के कई सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम आबादी इतनी बढ़ी है कि जनसंख्या संरचना बदल गई है। घुसपैठ को रोकना देश की सुरक्षा और जनसांख्यिकी दोनों के लिए बहुत अहम है।संभवत: इसलिए पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के सीमांचल में तीन दिन का प्रवास किया। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया। उसके बाद ही खबर आई कि बिहार के किशनगंज, पूर्णिया, अररिया और कटिहार के साथ पश्चिम बंगाल के माल्दा और उत्तरी दिनाजपुर को मिला कर एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया जा सकता है। ध्यान रहे जम्मू कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद वहां सुरक्षा हालात में व्यापक सुधार हुआ है। उस मॉडल पर कुछ करने की तैयारी हो सकती है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्य सचिव ने किया भवाली-रातिघाट बाईपास, कैंचीधाम मंदिर में निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

देहरादून(संवाददाता)। नैनीताल जिले के भ्रमण पर पहुंचे मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने जनपद नैनीताल के अंतर्गत कैंची धाम क्षेत्र में लगने वाले जाम की समस्या के स्थायी समाधान हेतु नव निर्मित भवाली बायपास, भवाली-रातिघाट बाईपास, कैंचीधाम मंदिर में निर्माणाधीन विभिन्न निर्माण कार्यो सहित नैनीताल मालरोड में सड़क भू धसाव की रोकथाम हेतु कराए जा रहे सुरक्षात्मक कार्यो का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने अपने नैनीताल भ्रमण के दौरान नैनीताल जिले की प्रमुख परियोजना में शामिल कैंचीधाम बाईपास (सैनिटोरियम-रातीघाट) सड़क मार्ग का भी स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के उन्होंने इस महत्वपूर्ण सड़क मार्ग में किए जा रहे निर्माण कार्यो का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कराए जा रहे कार्यो की जानकारी अधिकारियों से ली।

भवाली-रातिघाट बाईपास को पर्यटन सीजन से पूर्व किया जाय यातायात सुचारू: मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि भवाली-रातिघाट बाईपास में कार्य तेजी से करते हुए इस मार्ग में पर्यटन सीजन से पूर्व यातायात सुचारू किया जाय। जबतक स्थाई मोटर पुल का निर्माण नहीं हो जाता है तबतक इसी सीजन में वैलिब्रिज स्थापित कर यातायात सुचारू कराया जाय।श्रद्धालुओं, आम नागरिकों को सभी आवश्यक सुविधाऐं मोहैय्या कराना प्रशासन जिम्मेदारी : मुख्य सचिव ने निर्माण कार्यो को तेजी से कराते हुए इस यात्रा सीजन जून माह से पूर्व सभी कार्य पूर्ण करते हुए बाईपास मार्ग को संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध कैंचीधाम मंदिर में लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, इस हेतु यातायात सुविधा भी महत्वपूर्ण है, ताकि पहाड़ को जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिले तथा जाम से निजात मिले। उन्होंने कहा कि यहाँ आने वाले पर्यटकों,श्रद्धालुओं, आम नागरिकों को सभी आवश्यक सुविधाऐं मोहैय्या कराना प्रशासन की प्राथमिकता व जिम्मेदारी है।मुख्य सचिव ने कहा कि बाबा नीम करोरी के दर्शन हेतु देश-विदेश से श्रद्धालु यहां वर्ष भर आते जाते हैं आने वाले श्रद्धालुओं को समुचित व्यवस्था उपलब्ध हो, साथ ही ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न ना हो इस लिए इस बाईपास का निर्माण प्राथमिकता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग के निर्माण से विश्व प्रसिद्ध श्रीकैंचीधाम में लगने वाले जाम से निजात मिलेगी।इस दौरान लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता पी एस बृजवाल ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि भवाली सेनीटोरियम से रातीघाट तक 18.15 किलोमीटर बाईपास में से 8 किलोमीटर मार्ग का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। जिसमें यातायात सुचारू है। इस कार्य हेतु 12 करोड़ रुपये विभाग को प्राप्त हुए थे। शेष भाग 10.15 किलोमीटर मार्ग में पहाड़ कटिंग कार्य हेतु शासन से 5 करोड़ 6 लाख रूपये की धनराशि प्राप्त हुई है, पहाड़ कटिंग का कार्य पूरा किया जा चुका है। उक्त मार्ग में वर्तमान में 9 करोड़ 81 लाख रूपये की धनराशि से कलमठ व सुरक्षा दीवारों का निर्माण एवं अन्य सुरक्षात्मक कार्य तेजी से किए जा रहे हैं।मुख्य अभियंता ने अवगत कराया कि इस बाईपास को रातिघाट स्थित भवाली- अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने हेतु 74.15 किलोमीटर स्पान का मोटर पुल का भी निर्माण किया जाना है इस हेतु शासन से 9 करोड़ 63 रुपये की धनराशि प्राप्त हो हुई है जिससे पुल का निर्माण कार्य प्रगति पर है।मुख्य सचिव ने कहा कि इस मार्ग के निर्माण से कैंचीधाम में लगने वाले जाम की स्थिति से भी निजात मिलेगी, साथ ही पहाड़ी जिलों को जाने वाले वाहनों हेतु यह वैकल्पिक मार्ग लाभप्रद होगा।इस दौरान मुख्य सचिव ने 10 करोड़ रुपये की धनराशि से नव निर्मित सैनिटोरियम से भवाली अल्मोड़ा मार्ग तक भवाली बायपास सड़क निर्माण कार्य व इसी मार्ग में शिप्रा नदी पर नव निर्मित 30 मीटर स्पान डबल लेन मोटर पुल का भी निरीक्षण किया गया। यह मार्ग यातायात हेतु सुचारू हो गया है।मुख्य सचिव ने कहा कि उक्त बाईपास के निर्माण से भवाली बाजार में लगने वाले जाम से निजाद मिलेगी, वहीं पर्यटन सीजन में पर्यटकों को आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा भी नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने विश्व प्रसिद्ध कैंचीधाम मंदिर परिसर में 40 करोड़ 81 लाख 39000 रुपये की लागत से मानस खंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत संचालित पर्यटन विकास व सौंदर्यीकरण कार्यो, जिसमें बहु मंजिला कार पार्किंग निर्माण, मेडिटेशन सेंटर, पाथवे व पैदल सेतु का निर्माण कराया जा रहा है, के निरीक्षण के अतिरिक्त कैंचीधाम में ही पर्यटन विभाग अंतर्गत स्वदेश दर्शन योजना के तहत 17 करोड़ 59 तक 87000 रुपये की लागत से बनाए जा रहे फैसिलिटेशन सेंटर व अन्य कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया।कैंचीधाम में कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यो के स्थलीय निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि यह विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों हेतु समुचित व्यवस्था हो विशेष रूप से पार्किंग की सही व्यस्था हो। उन्होंने कहा कि पार्किंग स्थल में वाहनों के प्रवेश एवं निकासी अलग अलग गेट से हो,ऐसी व्यवस्था हो इस सबन्ध में उन्होंने जिलाधिकारी को पुलिस एवं कार्यदाई संस्था के साथ बैठक कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य सचिव ने विश्व प्रसिद्ध कैंचीधाम में पंहुचकर बाबा नीब करौली के भी दर्शन कर राज्य की सुख एवं शाति की कामनां की।

दून में देह व्यापार के धंधे में महिला समेत गिरफ्तार

देहरादून(संवाददाता)। किशननगर चौक के पास एक घर में चल रहे देह व्यापार के धंधे का पुलिस ने खुलासा किया है। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और कैंट कोतवाली पुलिस ने सोमवार रात कार्रवाई करते महिला समेत तीन आरोपी गिरफ्तार किए हैं। वहीं देह व्यापार के लिए मेघालय से लाई गई तीन युवतियों को रेस्क्यू किया गया। देह व्यापार का यह पूरा नेटवर्क व्हाट्सएप के जरिए संचालित किया जा रहा था। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल को सूचना मिली थी कि चकराता रोड, गांधीनगर, रधुनाथ मंदिर के पास में एक घर में देह व्यापार का धंधा चल रहा है। एसएसपी ने सीओ मसूरी जगदीश पंत के नेतृत्व में एएचटीयू और कैंट कोतवाली पुलिस की एक संयुक्त टीम कार्रवाई को भेजी। पुलिस ने संदिग्ध घर में छापा मारा तो अंदर तीन महिलाएं और दो पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में मिले। मौके से पुलिस ने कई आपत्तिजनक सामग्रियां और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि जिस मकान में देह व्यापार चल रहा था, वह मुख्य आरोपी रानी देवी का है। रानी काफी समय से आशीष कुमार पांडेय निवासी जयपुर, राजस्थान के साथ मिलकर इस अवैध धंधे को संचालित कर रही थी। धंधे के लिए मेघालय से कमाई का लालच देकर तीन युवतियों को बुलाया गया था। रानी व्हाट्सएप के माध्यम से ग्राहकों को लड़कियों की फोटो भेजती थी। फोन पर ही रेट, समय और मिलने का स्थान तय किया जाता। सौदा पक्का होने के बाद आरोपी आशीष लड़कियों को ग्राहकों तक पहुंचाने का काम करता था, जिसके एवज में उसे मोटा कमीशन मिलता था। इसके अलावा घर में देह व्यापार कराते। पुलिस ने मौके परे रानी देवी, आशीष कुमार और ग्राहक फुलो खान को गिरफ्तार किया है।

सुराज सेवा दल ने नगर निगम में किया प्रदर्शन

देहरादून(संवाददाता)। शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं और नगर निगम की सुस्ती के खिलाफ सुराज सेवा दल ने मंगलवार नगर निगम परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नगर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और शहर की बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था पर गहरी चिंता व्यक्त की। प्रदर्शन के दौरान सुमित अग्रवाल ने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा प्रत्येक वार्ड में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए लाखों रुपये का बजट स्वीकृत किया गया था, लेकिन धरातल पर अब तक कैमरे नहीं लगे हैं। यह न केवल नगर निगम की घोर लापरवाही है, बल्कि सरकारी धन के दुरुपयोग की ओर भी इशारा करता है। उन्होंने कहा कि

पुलिस और प्रशासन की निष्क्रियता के कारण आम जनता भयभीत है। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द सभी वार्डों में कैमरे लगाने और अनियमितता बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी, देवेन्द्र बिष्ट, कावेरी जोशी, हिमांशु धामी, विजेंद्र, कमल धामी, राजेश थापा, लालमणि भारद्वाज, संगीता, मदन बहुगुणा और पूजा नेगी समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

एचपीवी टीकाकरण में किशोरियां नहीं ले रही रुचि

नई टिहरी(संवाददाता)। यौन संचारित संक्रमणों से बचाव के लिए सरकार की ओर से चलाए जा रहे एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान में किशोरियां रुचि नहीं ले रही है। जिले के देवप्रयाग और जाखणीधार ब्लॉक क्षेत्र में अब तक एक भी किशोरी का टीकाकरण नहीं हो पाया है जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ती जा रही है। 9 से 14 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर सहित अन्य यौन संचारित संक्रमणों से बचाव के लिए सरकार ने निशुल्क टीकाकरण अभियान शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग ने जिले में इस आयु वर्ग की कुल 5387 किशोरियां चिह्नित की है जिनमें से अब तक केवल 81 का ही टीकाकरण हो पाया है। 27 फरवरी को जिला चिकित्सालय बौराड़ी से शुरू हुए इस अभियान को करीब 20 दिन बीत चुके हैं लेकिन टीकाकरण अभियान की प्रगति संतोषजनक नहीं है। जिला चिकित्सालय बौराड़ी और चंबा ब्लॉक में 20-20, कीर्तिनगर में 15, प्रतापनगर में 8, जौनपुर में 7, नरेंद्रनगर में 5, भिलंगना में 3, थौलधार में 2 और उप जिला चिकित्सालय नरेंद्रनगर में 1 किशोरी का टीकाकरण किया गया है जबकि देवप्रयाग और जाखणीधार में एक भी टीकाकरण नहीं हुआ है। सीएमओ डॉ. श्याम विजय सिंह ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को अभियान को मिशन मोड में संचालित करने को कहा है। उनका कहना है कि टीका किशोरियों को गंभीर बीमारियों से बचाने में अहम है। बाजार में इस वैक्सीन की कीमत चार हजार रुपये से अधिक है। सरकार इसे निशुल्क उपलब्ध करा रही है। यह टीका 9 से 14 वर्ष की आयु में सबसे अधिक प्रभावी होता है। एचपीवी से संबंधित 90 प्रतिशत से अधिक कैंसर के खतरे को कम करने में सक्षम है। उन्होंने अभिभावकों से अपनी बेटियों का अपने निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्रों में टीकाकरण कराने की अपील की है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के वेतन में हो 40 प्रतिशत वृद्धि

नई टिहरी(संवाददाता)। उत्तराखंड चतुर्थ वर्गीय राज्य कर्मचारी महासंघ टिहरी शाखा के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री को ज्ञापन भेजकर चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के वेतन में 40 प्रतिशत वृद्धि करने की मांग की है। उन्होंने कर्मियों को केंद्र के समान आठवें वेतन का लाभ देने की मांग की है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष त्रिलोक सिंह नेगी और जिला सचिव पुष्कर सिंह नयाल ने डीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में केंद्र सरकार से श्रम विरोधी कानूनों को वापस लेने, श्रेणी डी के सभी पदों पर सीधी भर्ती करने की मांग की है। उन्होंने आगनबाड़ी, आशा कार्यकर्ता, भोजन माताओं का न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये देने, नगर पंचायत, नगर पालिका और नगर निगम में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को शासकीय कर्मचारी घोषित करने, आउटर्सोस के माध्यम से की जा रही भर्ती पर रोक लगाने की मांग उठाई है। ज्ञापन में उन्होंने 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक कर्मियों को नियमित करने के

फलपट्टी क्षेत्र में दो पंपिंग योजना के बाद भी आधा आराकोट प्यासा

नई टिहरी(संवाददाता)। चंबा-मसूरी फल पट्टी क्षेत्र के लिए करोड़ों की लागत से बनी सुरकंडा और काणाताल पंपिंग पेयजल योजना आराकोट के ग्रामीणों की प्यास नहीं बुझा पा रही है। आधा गांव आज भी हैंडपंप से पानी भरने को मजबूर है। वंचित क्षेत्र के लिए टैंक बनाकर वितरण लाइन भी पहुंचा दी गई है लेकिन आज तक उस पर एक बूंद पानी नहीं टपका। परेशान ग्रामीणों ने जलापूर्ति कराने की मांग की है। चंबा नगर पालिका क्षेत्र की सीमा पर बसे आराकोट गांव की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। काणाताल पंपिंग पेयजल योजना से जुड़े क्षेत्र के लिए सुरकंडा पंपिंग पेयजल योजना की स्वीकृति मिलने पर आराकोट के ग्रामीणों को भी पेयजल मिलने की उम्मीद थी। लेकिन योजना बनने के करीब ढ़ाई-तीन साल बाद भी पानी मिलने की आस पूरी नहीं हो पाई है। गांव के मनीष रमोला, शुभम, विपिन रावत, कर्णपाल, ध्रुव आर्य और अरविंद रावत ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि आराकोट में आधा गांव के 36 परिवारों के लिए ढ़ाई साल पहले टैंक बनाकर पेयजल वितरण लाइन भी बिछाई गई है। अभी तक उस पर पानी नहीं चल पाया है। गांव के लोग पास में लगाए गए हैंडपंप से पीने का पानी भरकर ले आते हैं लेकिन पशुपालन और शौचालय के लिए पानी जुटाना बड़ी चुनौती बनी है। उन्होंने टैंक से शीघ्र जलापूर्ति कराने की मांग की है।गांव से दूर हैंडपंप किसी ने मलबे से दबा दिया: आराकोट गांव के पास लगाए गए हैंडपंप पर जब गर्मियों में पानी कम होता है तो ग्रामीण गांव से कुछ दूर दूसरे हैंडपंप से पानी भरते हैं। किसी ने वहां मलबा डंप कर दिया जिससे पूरा हैंडपंप मलबे में दब गया। इससे ग्रामीणों को गर्मियों में पानी की चिंता सताने लगी है। ग्रामीणों ने जल संस्थान से हैंडपंप से मलबा हटाकर उसे सुचारू करने की मांग की है।आराकोट में पेयजल सुविधा से वंचित क्षेत्र को काणाताल पंपिंग पेयजल योजना से जोड़ने के लिए लाइन बिछाई जानी है। जिला जल स्वच्छता समिति की बैठक में स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। उसके बाद शीघ्र ही जलापूर्ति कराने का प्रयास किया जाएगा। - प्रशांत भारद्वाज, ईई, जल संस्थान नई टिहरी ।

डिजिटल क्रॉप सर्वे व फार्मर रजिस्ट्री का बहिष्कार शुरू

चमोली(संवाददाता)। डिजिटल क्रॉप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री को विभागीय कार्मिकों से कराए जाने के विरोध में संबंधित विभागों के कर्मचारियों ने तहसील स्तर पर सांकेतिक धरना दिया। साथ ही कर्मचारियों ने डिजिटल क्रॉप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री का पूर्ण बहिष्कार भी शुरू कर दिया है। उद्यान, कृषि व राजस्व विभाग की समन्वय समिति की ओर से मंगलवार को जिले में सांकेतिक धरना दिया गया। चमोली, ज्योतिर्मठ, कर्णप्रयाग, थराली, पोखरी, गैरसैंण व नंदानगर तहसील में कार्मिक धरने पर बैठे। समन्वय समिति ने सरकार से इस कार्य के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाने की मांग की। कहा कि कार्मिकों पर अनावश्यक दबाव और दंडात्मक कार्रवाई को बंद किया जाए। इस दौरान उत्तरकाशी में फार्मा रजिस्ट्री को लेकर कृषि विभाग के कार्मिकों पर की गई कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे अन्यायपूर्ण बताया। कहा कि ऐसी कार्रवाई को तत्काल निरस्त किया जाए। समन्वय समिति के मुख्य संयोजक राज किशोर चंद्रवाल ने कहा कि यदि सरकार जल्द मांग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती तो 25 मार्च को देहरादून में विशाल आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान समिति के संयोजक हितेश, टीएस बर्त्वाल, सह-संयोजक कुलदीप सजवाण, कुलदीप शाह, दीपक थपलियाल, राहुल नेगी, माघेराम सहित उद्यान, कृषि व राजस्व विभाग के फील्ड कर्मचारी मौजूद रहे।कर्मचारियों ने दिया धरनारुद्रप्रयाग: डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य राजकीय कर्मचारियों से कराने के विरोध में उद्यान, राजस्व और कृषि विभाग के कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में सांकेतिक धरना दिया। कर्मचारियों ने मांग की कि अन्य राज्यों की तरह इस तकनीकी कार्य को निजी सर्वेयरों से कराया जाए। इस मौके पर वीरेंद्र, संतोष, सुरेश लाल, अमित पुंडीर, अंकुर नेगी सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

पलास गांव में शादी समारोह में अब प्रतिबंधित रहेगी शराब

नई टिहरी(संवाददाता)। ग्राम पंचायत पलास की बैठक में शादी समारोह, मुंडन और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में शराब के उपयोग करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। नियमों का उल्लंघन करने पर ग्राम पंचायत 11 हजार रूपये अर्थदंड वसूल करेंगी। ग्राम प्रधान ममता नौटियाल की अध्यक्षता में खुली बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने नशे के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जताई। प्रधान ममता ने कहा कि यह निर्णय गांव के सामाजिक वातावरण को बेहतर बनाने और नई पीढ़ी को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से लिया गया है। यदि कोई बाहरी व्यक्ति शराब पीकर गांव में शोर-शराबा करता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। शराब नहीं संस्कार मुहिम के संयोजक सुशील बहुगुणा ने कहा कि यदि गांव, समाज और सरकार मिलकर संकल्प ले ले तो नशे को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर ग्राम समाज सुधार समिति का गठन किया गया। जिसमें वीर सिंह राणा अध्यक्ष ,मकानी देवी उपाध्यक्ष, विजयपाल सिंह सचिव, कुसुम राणा सहसचिव, राजमती देवी कोषाध्यक्ष चुनी गई। बैठक में मस्तराम नौटियाल, पिंकी पुंडीर, मनीषा राणा, प्रवीण राणा, कुंभीबाला भट्ट, लक्ष्मी आदि मौजूद रही।

सौंग बांध प्रभावितों के मुआवजा भुगतान के लिए लगाए जाएंगे शिविर

नई टिहरी(संवाददाता)। सौंग बांध निर्माण से प्रभावित जौनपुर ब्लॉक के ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर डीएम नितिका खंडेलवाल ने परियोजना अधिकारियों और राजस्व विभाग के साथ बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मुआवजा वितरण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि प्रभावित परिवारों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके। डीएम ने कहा कि प्रत्येक प्रभावित परिवार की समस्या का समय पर निस्तारण किया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित न रहे। सभी मामलों का निष्पक्ष व त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने भूमि अर्जन से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए पुनर्वास और मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाने पर जोर दिया। बैठक में रगड़गांव स्थित इंटर कॉलेज की सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य की जानकारी ली गई। परियोजना अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैठक में एडीएम अवधेश कुमार सिंह, सौंग बांध परियोजना के प्रबंधक प्रताप सिंह बिष्ट, ईई धीरेंद्र सिंह नेगी, सुधीर सैनी, नायब तहसीलदार निशांत कंबोज, प्रकाश लाल, बीना सेमवाल, देवाशीष सेमवाल मौजूद रहे।

निजी सर्वेयरों से कराएं डिजिटल क्रॉप सर्वे

नई टिहरी(संवाददाता)। उद्यान, राजस्व और कृषि विभाग के कर्मचारियों ने डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में धरना दिया। उन्होंने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि विभागीय कर्मचारियों का हर स्पॉट पर पहुंचना आसान नहीं है। उन्होंने सर्वे कार्य अन्य राज्यों की भांति निजी सर्वेयरों से कराने की मांग की है। कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठे कर्मचारियों ने कहा कि कर्मचारियों का डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए हर एक जगह पर जाना आसान नहीं है। पहाड़ में जंगली जानवरों का खतरा और पहुंच मार्ग जैसी बड़ी समस्या भी है। अतिरिक्त कार्यभार के कारण विभाग के नियमित कार्य भी प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य की जिम्मेदारी मिलने से कर्मचारी मानसिक रूप से परेशान हैं। अन्य राज्यों में यह व्यापक और तकनीकी कार्य निजी सर्वेयरों के माध्यम से कराया जा रहा है। उसी तरह यह सर्वे कार्य उत्तराखंड जैसे विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में भी कराए जाने चाहिए। संगठन ने कार्मिकों की समस्याओं को देखते हुए डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए वैकल्पिक व्यवस्था लागू कर कर्मचारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई को समाप्त करने की मांग की है। कर्मचारी संगठनों ने फार्मर रजिस्ट्री के संदर्भ में उत्तरकाशी में कृषि विभाग के कार्मिकों पर की गई कार्रवाई की भी कड़ी निंदा की है। उन्होंने शीघ्र ही ऐसी कार्यवाही रोकने की मांग की।

रोजगार के नए अवसर प्रदान कर रहा एआई : डॉ. लिंगवाल

नई टिहरी(संवादाता)। राजकीय महाविद्यालय थत्यूड़ में कॅरियर काउंसलिंग सेल की पहल पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीक और उसके विभिन्न उपयोगों की जानकारी दी गई।

बर्फबारी का आनंद लेने पर्यटक पहुंच रहे गंगी गांव

नई टिहरी(संवाददाता)। भिलंगना ब्लॉक के सीमांत गांव गंगी में गत दिनों हुई बर्फबारी ने एक बार फिर से ठंड बढ़ा दी। बर्फबारी का आनंद उठाने के लिए पर्यटक गंगी गांव पहुंच रहें हैं। वहीं बर्फबारी सेब और सीजनी फसलों के लाभदायक मानी जा रही है। सीमांत गांव गंगी में गत तीन दिनों रुक-रुककर बर्फबारी हो रही है। गंगी का पूरा क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है। गांव के धर्म सिंह ने बताया कि इस वर्ष अपेक्षाकृत बारिश और बर्फबारी कम हुई है जिसका असर बागवानी, सीजनी फसलों के साथ पेयजल स्रोतों पर पड़ा है। कहा कि बर्फबारी से सेब, खुमानी, पुलम, अखरोट साथ नगदी और सीजनी फसलों के उपयुक्त साबित होगी।

सीएम धामी ने किया सचिवालय बैडमिंटन क्लब की स्मारिका 'प्रयास बेहतर कल के लिए' का विमोचन

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब द्वारा प्रकाशित स्मारिका "प्रयास बेहतर कल के लिए" का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्मारिका के प्रकाशन हेतु क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि सकारात्मक कार्य संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल मानव जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सचिवालय कर्मियों से नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ होता है, जिसका सकारात्मक प्रभाव कार्यकुशलता पर भी पड़ता है। मुख्यमंत्री ने स्मारिका में प्रकाशित लेखों, उपलब्धियों एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह प्रकाशन आने वाले समय में और अधिक लोगों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव विनय शंकर पांडेय, उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष हीरा सिंह बसेड़ा, प्रधान संपादक भूपेंद्र सिंह बसेड़ा,महासचिव प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष चंदन बिष्ट, संयुक्त सचिव पुष्कर सिंह नेगी, सदस्य चंद्रशेखर, रंजीत सिंह, दीपक बिष्ट, सुश्री विमला आर्या, सुश्री दीपा बोहरा और संदीप कुमार मौजूद थे।

कुठालवाली में सामुदायिक भवन का लोकार्पण

देहरादून(संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा क्षेत्र के जोहड़ी गांव स्थित कुठालवाली में 10.83 लाख की लागत से नवीनीकृत सामुदायिक भवन का मंगलवार को लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को बध ाई देते हुए इसे ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन के नवीनीकरण से स्थानीय लोगों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है और ऐसे निर्माण कार्यों से जनसुविधाओं में विस्तार होता है।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सामुदायिक भवन गांव की सामाजिक एकता का केंद्र होता है, जहां विभिन्न आयोजनों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का कार्य किया जाता है। इस दौरान गणेश जोशी ने सामुदायिक भवन में आयोजित शिव महापुराण कथा में भी भाग लिया और प्रदेश व क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

संक्षिप्त समाचार...

एलिवेटेड रोड परियोजना का किया विरोध

देहरादून(संवाददाता)। बस्ती बचाओ आंदोलन के पदाधिकारियों की ओर से मंगलवार को मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजा गया। संयोजक अनंत आकाश ने इसके माध्यम से देहरादून में प्रस्तावित रिस्पना-बिंदाल एलिवेटेड रोड परियोजना के प्रभावितों की समस्याओं का समाधान करने की मांग उठाई है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा 372 रजिस्ट्रीध ारियों को भूमि आधिपत्य अधि कारी द्वारा नोटिस जारी किए जाने की बात है, जबकि करीब ढाई हजार से अधिक प्रभावित परिवार, जो दशकों से इन्हीं नदियों के किनारे ग्राम समाज, नगर निगम या सरकारी भूमि पर बसे हैं, अब तक अधिसूचना के दायरे में भी नहीं हैं।

नर्सिंग बेरोजगारों में मांग न मानने पर आक्रोश

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश में वर्षवार भर्ती की मांग को लेकर नर्सिंग बेरोजगारों का ध रना मंगलवार को 103वें दिन भी जारी रहा। लंबे समय से चल रहे इस शांतिपूर्ण आंदोलन पर सरकार की खामोशी से युवाओं में भारी आक्रोश है।

नियमों के खिलाफ बिजली लाइन अंडरग्राउंड करने की शिकायत

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने झाझरा-मोहनपुर क्षेत्र में 33 केवी बिजली लाइन को नियमों के विरुद्ध भूमिगत किए जाने की शिकायत को गंभीरता से लिया है। इस मामले में जांच के आदेश जारी किए गए हैं। अधीक्षण अभियंता विजय कुमार सिंह द्वारा 25 अक्टूबर 2025 को जारी पत्र में रायपुर विद्युत वितरण खंड के अधिशासी अभियंता को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

80 हजार की रिश्वत लेते जेई रंगे हाथ गिरफ्तार

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड विजिलेंस ने मंगलवार को ऊर्जा निगम के एक अवर अभियंता (जेई) को 80,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पथरीबाग स्थित विद्युत सब स्टेशन पर तैनात था। आरोपी जेई एक नए खरीदे गए अपार्टमेंट में बिजली का कनेक्शन देने और विद्युत लोड बढ़ाने की एवज में इस मोटी रकम की मांग कर रहा था। देहराखास में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के नाम पर 11 फ्लैट का अपार्टमेंट खरीदा है। इस नए अपार्टमेंट में पत्नी के नाम से बिजली का नया कनेक्शन लेने और जरूरत के हिसाब से विद्युत भार बढ़ाने के लिए उसने आवेदन किया था। आरोप है कि नया ट्रांसफार्मर न लगाने और ऐसे ही लोड बढ़ाने के लिए पथरी बाग स्थित 33/11 केवी बिजली घर जेई ने रिश्वत मांगी। जेई अतुल कुमार निवासी इंद्रेशनगर, देहरादून ने इसके एवज में 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। बिना पैसे दिए काम अटकाए रखा। शिकायत पर विजिलेंस टीम देहरादून ने पहले मामले की गोपनीय जांच की।

एसआईआर के लिए जिलेवार एक्शन प्लान बनाएं जिलाधिकारी- मुख्य निर्वाचन अधिकारी

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखण्ड में आगामी अप्रैल माह में होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने सचिवालय में सभी जनपदों के जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा की। बैठक में कम मैपिंग वाले जनपदों पर मुख्य निर्वाचन अधि कारी ने कड़घे नाराजगी जताते हुए सम्बंधित ईआरओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एसआईआर का एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं।बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि प्रदेश में 87 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है, लेकिन जनपद देहरादून, उधमसिंह नगर और नैनीताल में मैपिंग की प्रगति कम है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा शहरी क्षेत्रों में नगर निगम के अधिकारियों,कर्मचारियों की एसआईआर के लिए तैनाती की जाए। उन्होंने बीएलओ की ट्रेनिंग कार्य लगातार चलाए जाने के निर्देश दिए।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जिलाधिकारियों को एसआईआर से पूर्व सभी बूथों पर शत प्रतिशत बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति के लिए राजनैतिक दलों से बैठक करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जनपद गणना प्रपत्र के वितरण का पूरा प्लान तैयार कर दें ताकि समय पर फार्म वितरण की प्रक्रिया संपन्न कराई जा सके।बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे,उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास सहित सभी जनपदों के जिलाधिकारी वर्चुअल रुप से उपस्थित रहे।

'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' शिविर में 43 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

अल्मोड़ा(संवाददाता)। उत्तराखंड सरकार के कार्यक्रम श्जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वारश के तहत विकासखंड हवालबाग की न्याय पंचायत सल्ला रौतेला में शीतलाखेत के रामलीला मैदान में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने की। इस दौरान उन्होंने आमजन से सीध ा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। शिविर में कुल 54 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 43 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शिविर के माध्यम से 739 लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया और लाभार्थियों को संबंधित सामग्री भी वितरित की गई। इसके अलावा 349 आवेदन विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मौके पर ही भरवाए गए, जिससे लोगों को त्वरित सुविधा मिली। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और कार्यों में संवेदनशीलता व तत्परता बनाए रखी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर शासन और प्रशासन को जनता के और अधिक निकट लाने का प्रभावी माध्यम हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भी योजनाओं का लाभ उनके द्वार तक मिल रहा है।

युवक ने जंगल में पेड़ से लटककर फांसी लगाकर आत्महत्या

रामनगर (संवाददाता)। एक युवक ने जंगल में पेड़ से लटककर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया।बिन्दर सिंह पुत्र रमेश सिंह उम्र 22 निवासी भोगपुर डाम जसपुर जिला ऊधमसिंह नगर ने तुमडिया डाम के जंगल में गले में रस्सी डालकर पेड़ से लटकर आत्महत्या कर ली।बताया जा रहा है कि मृतक सोमवार दोपहर से लापता था।बताया जा रहा है कि वह किसी युवती से प्रेम करता था और उस युवती का रिश्ता कही ओर हो गया है।इसी मामले को लेकर वह गमगीन हो गया और उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक दीपक बिष्ट ने बताया कि मृतक का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।मृतक किसी से प्रेम करता था और उस युवती का रिश्ता कही ओर हो गया है।इसी बात से नाराज होकर उसने आत्महत्या कर ली है।मृतक मजदूरी करता था

नैनीताल के दौरे पर पहुंचे मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने कैंचीधाम

नैनीताल (भवाली)। जनपद नैनीताल के दौरे पर पहुंचे मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने कैंचीधाम क्षेत्र में लगने वाले जाम की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर भवाली-रातिघाट बाईपास समेत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए कि भवाली-रातिघाट बाईपास को पर्यटन सीजन से पहले हर हाल में चालू किया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक स्थायी पुल तैयार नहीं होता, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था कर यातायात सुचारू रखा जाए।विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए उन्होंने यातायात, पार्किंग और सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देना प्रशासन की जिम्मेदारी है, ताकि जाम की समस्या से राहत मिल सके।निर्माण कार्यों की स्थितिअधिकारियों के अनुसार 18.15 किमी लंबे बाईपास में से करीब 8 किमी मार्ग तैयार हो चुका है, जबकि शेष हिस्से में कटिंग और सुरक्षा कार्य तेजी से चल रहे हैं। इसके अलावा इस मार्ग को जोड़ने के लिए मोटर पुल का निर्माण भी प्रगति पर है।पर्यटन सुविधाओं का हो रहा विस्तारकैंचीधाम में पार्किंग, मेडिटेशन सेंटर, पाथवे और फैसिलिटेशन सेंटर जैसे कार्य भी तेजी से किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव ने पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने और वाहनों के प्रवेश-निकास के लिए अलग-अलग गेट बनाने के निर्देश दिए।मालरोड सुरक्षा कार्यों की भी समीक्षानिरीक्षण के दौरान नैनीताल मालरोड में भू-धसाव रोकने के लिए चल रहे सुरक्षात्मक कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। यह परियोजनाएं न केवल कैंचीधाम में जाम की समस्या को कम करेंगी, बल्कि पूरे कुमाऊं क्षेत्र में पर्यटन और आवागमन को भी सुगम बनाएंगी।

घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत ने लोगों का गुस्सा सड़कों पर

उधम सिंह नगर (संवाददाता)। /गदरपुर से इस वक्त बड़ी खबर सामने आई है, जहां घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत ने लोगों का गुस्सा सड़कों पर ला दिया। हालात ऐसे बन गए कि महिलाओं को आधी रात के बाद ही गैस के लिए लाइन में लगना पड़ा, लेकिन सुबह तक भी सिलेंडर नहीं मिलने पर उनका आक्रोश फूट पड़ा।बताया जा रहा है कि कई महिलाएं रात करीब 3 बजे से ही लाइन में खड़ी थीं, लेकिन सप्लाई शुरू न होने से लोगों का धैर्य जवाब दे गया। इसके बाद गुस्साई महिलाओं ने सड़क पर जाम लगा दिया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और यातायात भी प्रभावित हुआ।सूचना मिलते ही दिनेशपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभालने की कोशिश की। पुलिस ने जल्द गैस सप्लाई बहाल कराने के आश्वासन के बाद ही जाम खुल सका। इस बीच गदरपुर के पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन ने भी मामले को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।प्रेमानंद महाजन ने कहा कि क्षेत्र में गैस की कालाबाजारी हो रही है, जिसके कारण आम लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

मनोज परिहार का स्वास्थ्य खराबी के चलते आकस्मिक निधन हो गया

लालकुआं (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी बिंदुखत्ता के वरिष्ठ नेता एवं सबकी मदद को सदैव आगे आने वाले के वरिष्ठ नेता एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल महामंत्री मनोज परिहार का स्वास्थ्य खराबी के चलते आकस्मिक निधन हो गया।उनकी अंतिम यात्रा आज प्रातः 11 बजे उनके आवास बिंदुखत्ता से चित्रशिला घाट, रानीबाग के लिए रवाना हुई जहां उनका गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया जा रहा है।स्वर्गीय मनोज परिहार अपने चार भाइयों में सबसे बड़े थे, उनकी भतीजी कंचन परिहार उत्तराखंड की वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी है। जबकि उनके छोटे भाई पूरन परिहार राज्य आंदोलनकारी है। उनके निधन से जहां क्षेत्र में की लहर व्याप्त है, वहीं परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मनोज परिहार की एक बेटी है एवं उनकी पत्नी शिक्षिका है।

लीजेंड्स क्रिकेट लीग में सर्दन सुपर स्टार्स और इंडिया कैप्टन्स के बीच हुए मुकाबले

हल्द्वानी (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम गौलापार में सोमवार को उस समय बवाल हो गया जब लीजेंड्स क्रिकेट लीग में सर्दन सुपर स्टार्स और इंडिया कैप्टन्स के बीच हुए मुकाबले के बाद बाउंसरों ने तीन दिन का बकाया भुगतान नहीं होने पर मुख्य गेट में ताला लगा दिया। इससे देश और विदेश के नामी खिलाड़ी बसों में आधा घंटे कैद रहे आयोजकों की ओर से दो घंटे में भुगतान होने के आश्वासन के बाद गेट खोला गया। इस दौरान गौरव तोमर, हाशिम अमला, शेल्डन जैक्सन, अजीत चंदिला, रजत भाटिया, रवि जांगिड़, दिवेश पठानिया, परविंदर अवाना, पुनीत बिष्ट, रितिक शर्मा, अनिरूध जोशी, इम्तियाज अहमद, मिर्जा दानिश आलम, हैमिल्टन मसाकाद्जा, दिलशान मुनावीरा सहित 20 खिलाड़ी कोच सहित अन्य स्टाफ की गाड़ी मैदान से बाहर नहीं जाने दी गई।रमन रहेजा, को-फाउंडर लीजेंड्स क्रिकेट लीग ने कहा, "इन कार्यों को देखने वाले चीफ सुरक्षा अधिकारी सोमवार को हल्द्वानी से बाहर थे। इस वजह से भुगतान को लेकर दिक्कत आई। सभी का भुगतान किया जाएगा। किसी को घबराने की आवश्यकता नहीं है।"कुलदीप सिंह, सुपरवाइजर श्री हंस सिक्योरिटी एजेंसी दिल्ली ने बताया, "82 बाउंसर, 42 गार्ड का तीन दिन का भुगतान नहीं किया गया है। इस वजह से मुख्य गेट बंद करना पड़ा। कंपनी की ओर से दो घंटे में भुगतान का आश्वासन दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर मंगलवार को होने वाले दो मुकाबले नहीं होने दिए जाएंगे

उक्रांद के जन संवाद कार्यक्रम में गैरसैंण राजधानी और पलायन के मुद्दे पर हुई चर्चा

अल्मोड़ा(संवाददाता)। उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से मंगलवार को नगर के एक होटल में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने, भू-कानून, जल-जंगल पर स्थानीय लोगों के अधिकार और युवाओं के पलायन जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में युवा मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी ने कहा कि उत्तराखंड से युवाओं का पलायन गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश का युवा अपने ही राज्य में नहीं रुक पा रहा है तो यह सरकारों की कमजोरी है। उन्होंने कहा कि गैरसैंण को राजधानी बनाने से पहाड़ के विकास का एक नया मॉडल तैयार होगा और नए शहरों के विकास को भी गति मिलेगी। पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष पूरन सिंह कथायत ने कहा कि प्रदेश में संसाधनों की कमी नहीं है, फिर भी उत्तराखंड पिछड़ रहा है। उन्होंने भूमि की चकबंदी को रोजगार से जोड़ने की बात कही और गांवों के खाली होने पर चिंता जताई। कार्यक्रम के दौरान कई लोगों ने उत्तराखंड क्रांति दल की सदस्यता भी ग्रहण की। त्रिलोक सिंह लटवाल ने अपने समर्थकों के साथ, जबकि सोमेश्वर क्षेत्र से पूर्व सैनिक पूरन सिंह ने भी अपने साथियों के साथ पार्टी में शामिल हुए। इसके अलावा गोविंद दुर्गापाल, मनोज लटवाल, चंदन लटवाल, धीरज खोलिया, कृष्ण नेगी सहित कई लोगों ने सदस्यता ली। कार्यक्रम में केंद्रीय पदाधिकारियों में शिवराज बिनोला, गोपाल मेहता, मुमताज कश्मीरी, जिला कार्यकारी अध्यक्ष पान सिंह लटवाल, महानगर अध्यक्ष मोहित शाह, महिला जिला अध्यक्ष दीपा जोशी, युवा जिला अध्यक्ष रघुवर सिंह भाकुनी, आनंद बोरा, विनोद बोरा, पंकज सिंह, देवेश जोशी, किरण मेहरा तथा युवा प्रकोष्ठ से राजा बिष्ट, अमित रावत, नरेंद्र रावत, अवतार सिंह नेगी, रोशन नेगी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवक ने राह चलती युवती से छेड़छाड़

हल्द्वानी (संवाददाता)। शहर में निवास करने वाले एक युवक ने राह चलती युवती से छेड़छाड़ की तथा साथ में चल रहे पिता का सिर फोड़ दिया, आरोपी युवक ने मौके पर बेटी के साथ दुष्कर्म की धमकी भी दी। बनभूलपुरा थाने में युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।बनभूलपुरा के जवाहर नगर निवासी व्यक्ति ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि दोपहर वह अपनी बेटी के साथ पैदल शहर की ओर जा रहे थे। हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के पास सद्दाम उर्फ समीर ने बिना किसी बात के रोका और नुकीले सामान से हमला कर दिया। घटना में व्यक्ति का सिर फट गया। बेटी के साथ छेड़खानी करने के अलावा दुष्कर्म की धमकी दी।थाना प्रभारी बनभूलपुरा डीएस फर्त्याल ने बताया कि सद्दाम के खिलाफ मारपीट, आपराधिक धमकी, छेड़खानी सहित अन्य धारा में प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

मौनी रॉय ने साड़ी में ढाया कहर, बैकलेस ब्लाउज पहन दिए कातिलाना पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय फिल्मों से ज्यादा अपने लुक्स को लेकर सुर्खियां बटोरती नजर आती हैं. एक्ट्रेस आए दिन अपनी दिलकश फोटोज शेयर करती हैं हाल ही में उन्होंने साड़ी में अपनी कुछ शानदार फोटोज शेयर की हैं.मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही एक्ट्रेस अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर फैंस का ध्यान खींचा है.शेयर की गई फोटोज में एक्ट्रेस ऑफ व्हाइट कलर की साड़ी पहने नजर आ रही हैं. उनका ये लुक काफी एलिगेंट गल रहा है.साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने पिंक एंड गोल्डन कॉम्बिनेशन का बैकलेस ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके लुक में चार चांद लग रहा है.एक्ट्रेस ने गोल्डन झुमके और बिंदी लगाकर अपने इस लुक को कंप्लीट किया है. उनका ये अंदाज देखने लायक है.एक्ट्रेस ने मेकअप को काफी सटल रखा है. उन्होंने स्मोकी आई लुक और लाइट शेड लिपस्टिक चूज की. खुले बालों में बला की हसीन दिख रही हैं.

केडी: द डेविल के नए गाने ने मचाया धमाल, सरके चुनर तेरी सरके में नोरा फतेही और संजय दत्त ने लगाई आग

30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही फिल्म केडी: द डेविल का नया गाना सरके चुनर तेरी सरके रिलीज हो चुका है, जिसने आते ही सोशल मीडिया में आग लगा दी है. इस गाने में नोरा फतेही और संजय दत्त की जोड़ी जबरदस्त अंदाज में नजर आ रही है. हाई-एनर्जी म्यूजिक और शानदार डांस मूव्स ने इसे दर्शकों का पसंदीदा बना दिया है. रिलीज के कुछ ही समय बाद यह सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा और फैंस इसे इस साल के बड़े पार्टी सॉन्ग में से एक बता रहे हैं.गाने में नोरा फतेही अपने दमदार डांस और स्टाइल से स्क्रीन पर पूरी तरह छा जाती हैं. उनके सिग्नेचर मूव्स और एक्सप्रेशन इस गाने को और भी खास बना देते हैं. वहीं संजय दत्त भी गाने में अलग अंदाज में नजर आते हैं और डांस फ्लोर पर अपनी मौजूदगी से गाने की एनर्जी हाई कर देते हैं. इस गाने का म्यूजिक अर्जुन जन्या ने तैयार किया है, जिसके बीट्स दर्शकों को नाचने पर मजबूर कर देते हैं. वहीं गाने को सिंगर मंगली ने आवाज दी है और फिल्म का निर्देशन प्रेम ने किया है.बेंगलुरु के एएमबी सिनेमाज के एक इवेंट में इस गाने को लॉन्च किया गया है, जहां नोरा फतेही ने बताया कि इस फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए खास अनुभव रहा है. जब उन्होंने फिल्म का ट्रेलर देखा तो समझ आया कि निर्देशक प्रेम को शोमैन क्यों कहते है. वो इस फिल्म से कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू कर रही हैं, जो उनके लिए गर्व की बात है. दर्शकों के लिए इस गाने को कन्नड़, तेलुगु, हिंदी, तमिल और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया गया है.बता दें, फिल्म केडी: द डेविल को वेंकट के नारायण ने केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. इस फिल्म में ध्रुवा सरजा संजय दत्त, नोरा फतेही, शिल्पा शेट्टी, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रीशमा ननैया जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आयेंगे. बड़े बजट और दमदार एक्शन के साथ बनाई गई यह फिल्म दर्शकों को एक नया अनुभव देने की कोशिश कर रही है. फिल्म के नए गाने को सुन फैन की एक्साइटमेंट भी बहुत बढ़ गई है और सभी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

द केरल स्टोरी 2 ने तीसरे संडे मचा दिया गदर, धुआंधार छापे नोट

द केरल स्टोरी 2 में उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने लीड रोल प्ले किया है. काफी विवादों और काफी कानूनी पचड़े में फंसने के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म किया है.. यहां तक कि अपने तीसरे वीकेंड पर भी ये फिल्म इंडियन बॉक्स ऑफिस पर छाई रही. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे संडे कितना कारोबार किया है?द केरल स्टोरी 2 को क्रिटिक्स से मिले जुले रिव्यू मिले थे लेकिन ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही और इसी के साथ ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से डटी हुई है. इसने जहां पहले हफ्ते में 23.28 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया था तो वहीं दूसरे वीकेंड में इस फिल्म की कमाई 17.07 करोड़ रुपये रही. इसके बाद तीसरे शुक्रवार यानी 15वें दिन इसने 1.50 करोड़ रुपये कमाए. वहीं तीसरे शनिवार, यानी 16वें दिन अच्छी बढ़त हासिल करते हुए इस फिल्म का कलेक्शन 2.75 करोड़ रुपये रहा. इस बढ़त की बदौलत, फिल्म ने 50त्न रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट का मील का पत्थर पार कर लिया, और ऐसा करने वाली यह 2026 की पहली बॉलीवुड फिल्म बन गई हैंअब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द केरल स्टोरी 2 ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे संडे को 2.78 करोड़ की कमाई कर ली. इसी के साथ इस फिल्म का 17 दिनों का टोटल कलेक्शन अब 47.38 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं द केरल स्टोरी 2 की ग्रॉस कमाई 52.04 करोड़ रुपये हो गई है.द केरल स्टोरी 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर रही है. रिलीज के तीसरे संडे को इसने बॉक्स ऑफिस ही लूट लिया. इसका टोटल कलेक्शन अब 47.38 करोड़ हो चुका है. फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए उम्मीद है कि ये तीसरे मंडे या तीसरे मंगलवार को 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी. द केरल स्टोरी 2 का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है और इसे विपुल अमृतलाल शाह ने सनसाइन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. यह फिल्म 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इसमें सुमित गहलवात, अर्जन सिंह औजला, युक्ताम खोलसा और अलका अमीन ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं.

नौकरी छोड़ एक्ट्रेस बनीं अनन्या नागल्ला, पवन कल्याण संग इस फिल्म से बदली किस्मत

साउथ एक्ट्रेस अनन्या नागल्ला पिछले कुछ सालों से इंडस्ट्री में खुद की पहचान बना रही है. तेलुगु फिल्मों में काम करने वाली अनन्या ने बहुत कम समय में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा है. 2019 में फिल्म मल्लेशम से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अनन्या ने धीरे-धीरे इंडस्ट्री में मजबूत जगह बनाई है. उनकी सादगी, नैचुरल एक्टिंग और मेहनत की वजह से उन्हें दर्शकों से बहुत तारीफ मिली. इसी बीच आइए उनके बारे में विस्तार से जानते हैं.अनन्या नागल्ला का जन्म तेलंगाना के खम्मम जिले के सतुपल्ली में एक तेलुगु परिवार में हुआ था. उनके पिता वेंकटेश्वर राव एक बिजनेसमैन हैं और उनकी मां का नाम विष्णु प्रिया है. बचपन से ही अनन्या पढ़ाई में अच्छी थी और परिवार का माहौल भी काफी सपोर्टिव रहा.अनन्या ने हैदराबाद के इब्राहिमपट्टनम स्थित राजा महेंद्र कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से बीटेक की पढ़ाई पूरी की. पढ़ाई खत्म करने के बाद उन्होंने आईटी कंपनी इन्फोसिस में नौकरी शुरू की. वहां वो टेस्ट एनालिस्ट के रूप में काम करती थी और बाद में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनी.नौकरी के समय ही अनन्या को 2017 में एक शॉर्ट फिल्म शादी में काम करने का मौका मिला. इसके बाद उन्होंने हैदराबाद के मणिकोंडा इलाके में एक एक्टिंग स्कूल जॉइन किया और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने की तैयारी शुरू कर दी.कई ऑडिशन देने के बाद अनन्या को 2019 की बायोपिक फिल्म मल्लेशम में काम करने का मौका मिला. इस फिल्म में उन्होंने पद्मा नाम का किरदार निभाया, जो दर्शकों को पसंद आया था. इस रोल के लिए उन्होंने अपनी नौकरी से एक महीने की छुट्टी ली थी.2021 में अनन्या नागल्ला को पावर स्टार पवन कल्याण की फिल्म वकील साब में काम करने का मौका मिला. यह फिल्म हिंदी फिल्म पिंक की रीमेक थी. फिल्म में अनन्या ने दिव्या नायक का किरदार निभाया था. इस रोल के बाद उन्हें पूरे तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में पहचान मिलने लगी.अनन्या ने 2021 में साइंस-फिक्शन ड्रामा फिल्म प्ले बैक में भी काम किया. इसके अलावा 2024 में आई फिल्म तंत्र में उन्होंने लीड रोल निभाया. इस फिल्म में उनके कॉन्फिडेंस और स्क्रीन प्रेजेंस की भी काफी चर्चा हुई. अनन्या नागल्ला के लिए आईटी कंपनी की नौकरी छोड़कर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखना आसान फैसला नहीं था. लेकिन अपने जुनून और मेहनत के दम पर अनन्या आज तेलुगु सिनेमा की उभरती हुई एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं.

यूएसडीएमए की कार्यप्रणाली से रूबरू हुए श्रीलंका के अधिकारी

- नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के तत्वावधान में श्रीलंका के 40 सिविल सेवा अधिकारी पहुंचे एसईओसी

देहरादून(संवाददाता)। नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के तत्वावधान में श्रीलंका के 40 सिविल सेवा के अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का भ्रमण किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में आपदा प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों, व्यवस्थाओं एवं नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रियान्वयन) एवं डीआईजी राजकुमार नेगी ने प्रतिनिधिमंडल को यूएसडीएमए द्वारा किए जा रहे कार्यो से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आपदा की स्थिति में किस प्रकार त्वरित राहत एवं बचाव कार्य धरातल पर संचालित किए जाते हैं। साथ ही राज्य एवं जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र की भूमिका, चेतावनी प्रसारण प्रणाली, अलर्ट जारी करने की प्रक्रिया तथा तकनीक के प्रभावी उपयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।प्रतिनिधिमंडल को यह भी बताया गया कि उत्तराखण्ड में किस प्रकार आपदा जोखिम न्यूनीकरण में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है तथा सूचना का आदान-प्रदान अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक प्रभावी रूप से किस प्रकार किया जाता है। इसके अतिरिक्त आपदा प्रबंधन विभाग की कार्यप्रणाली, इंसिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम की अवधारणा एवं संरचना, आपदा पूर्व तैयारी, आपदा के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया तथा आपदा उपरांत पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण की प्रक्रियाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। यूएसडीएमए तथा एनडीएमए किस प्रकार समन्वय करते हैं, इसके बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. रोहित थपलियाल ने मौसम पूर्वानुमान एवं बहु-स्तरीय चेतावनी प्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि आईएमडी द्वारा मौसम संबंधी आंकड़े अत्याधुनिक वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से एकत्र किए जाते हैं, जिनमें उपग्रह आधारित अवलोकन प्रणाली, डॉप्लर वेदर रडार, स्वचालित मौसम केंद्र, स्वचालित वर्षामापी यंत्र, मौसम पूर्वानुमान मॉडल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का रियल-टाइम एकीकरण कर उच्च स्तरीय विश्लेषण किया जाता है, जिसके आधार पर विभिन्न स्तर के पूर्वानुमान तैयार किए जाते हैं। उन्होंने विशेष रूप से पर्वतीय राज्यों में लोकेशन-स्पेसिफिक पूर्वानुमानों के महत्व पर प्रकाश डाला, जहां मौसम की परिस्थितियां अत्यधिक परिवर्तनशील होती हैं।वहीं यूएलएमएमसी के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार ने भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में राज्य द्वारा किए जा रहे वैज्ञानिक एवं संस्थागत प्रयासों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य में भूस्खलन एक प्रमुख आपदा है, जिसके प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य में भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की पहचान हेतु विस्तृत भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण एवं जोखिम क्षेत्र निर्धारण किया जा रहा है। आधुनिक तकनीकों, जैसे रिमोट सेंसिंग, जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम, ड्रोन सर्वेक्षण, लिडार तकनीक एवं रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम का उपयोग कर संवेदनशील क्षेत्रों की निरंतर निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही चयनित स्थलों पर अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित किए जा रहे हैं, जो वर्षा, मिट्टी की नमी एवं ढलान की गति जैसे मापदंडों के आधार पर भूस्खलन की संभावना का पूर्व संकेत प्रदान करते हैं। चूंकि श्रीलंका भी भूस्खलन एवं अत्यधिक वर्षा से उत्पन्न आपदाओं का सामना करता है, इसलिए वहां से आए प्रतिनिधियों ने इन विषयों में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने उत्तराखण्ड में अपनाए जा रहे तकनीकी मॉडल, अर्ली वार्निंग सिस्टम, जोखिम आकलन पद्धतियों एवं सामुदायिक आधारित दृष्टिकोण के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा इसे अपने देश में लागू करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की।इस अवसर पर संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो० ओबैदुल्लाह अंसारी, डॉ० पीडी माथुर, डॉ० पूजा राणा आदि मौजूद रहे।साझा दृष्टिकोण विकसित करने के लिए उपयोगी - सुमन : सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय संवाद एवं अध्ययन भ्रमण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये विभिन्न देशों के बीच ज्ञान, अनुभव एवं सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम बनते हैं। उत्तराखण्ड जैसे आपदा-संवेदनशील राज्य में विकसित की गई व्यवस्थाएं एवं तकनीकी पहलें अन्य देशों के लिए उपयोगी हो सकती हैं, वहीं हमें भी वैश्विक अनुभवों से सीखने का अवसर मिलता है। ऐसे इंटरैक्शन से न केवल संस्थागत क्षमता सुदृढ़ होती है, बल्कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक समन्वित एवं साझा दृष्टिकोण विकसित होता है, जो अंततः जन-जीवन की सुरक्षा एवं आपदा जोखिम न्यूनीकरण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाता है।

विक्रम हत्याकांड में फरार छह बदमाशों पर 50-50 हजार इनाम घोषित

देहरादून(संवाददाता)। राजपुर रोड स्थित सिल्वर सिटी मॉल के बाहर 13 फरवरी को हुए विक्रम शर्मा हत्याकांड में फरार कातिल दून पुलिस और एसटीएफ के लिए बड़ी सिरदर्द बन गए हैं। पुलिस की पकड़ से दूर इन छह फरार आरोपियों पर अब आईजी रेंज कार्यालय की ओर से 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया गया है। वहीं, इन शातिर अपराधियों पर कानूनी शिकंजा और कसने के लिए एसएसपी देहरादून प्रमेंद्र डोबाल ने इनाम की राशि बढ़ाकर एक-एक लाख रुपये करने की फाइल पुलिस मुख्यालय को भेज दी है। मुख्यालय से मुहर लगते ही ये सभी एक-एक लाख के वांटेड हो जाएंगे। झारखंड के हिस्ट्रीशीटर विक्रम की दून में हत्या के बाद से ही दून पुलिस और एसटीएफ की टीमें झारखंड में डेरा डाले हुए हैं। पुलिस को उम्मीद थी कि शूटर जल्द हत्थे चढ़ जाएंगे, लेकिन अपराधियों का लोकल नेटवर्क इतना मजबूत है कि वे पुलिस को हर कदम पर गच्चा दे रहे हैं। पुलिस एक ठिकाने पर दबिश देती है, तो कातिल पहले ही दूसरे राज्य या नक्सल प्रभावित इलाकों में खिसक जाते हैं। पहले इन छह आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का ईनाम था और कोर्ट से गैर-जमानती वारंट भी जारी हो चुका है।इन पर हैं 50-50 हजार इनाम- शूटर आशुतोष सिंह पुत्र उपेंद्र सिंह निवासी आरपी पटेल स्कूल रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर।- शूटर विशाल सिंह पुत्र सुभाष सिंह निवासी गाराबासा बागबेड़ा, जमशेदपुर।- जिम में विक्रम की रेकी करने वाला अंकित वर्मा पुत्र अरूण वर्मा निवासी थाना रोड टंगरा टोली, जमशेदपुर।- रेलवे ठेकेदार यशराज पुत्र राजकुमार निवासी गाराबासर थाना बागखेड़ा, जमशेदपुर।- हरिद्वार दुपहिया दिलाने वाला आकाश कुमार प्रसाद पुत्र अरूण प्रसाद निवासी बजरंग टेकरी, बागबेरा, जमशेदपुर।- वारदात प्रयुक्त बाइक मालिक जितेंद्र कुमार साहु पुत्र मुन्ना साहु निवासी पूर्वी सिंहभूम जिला जमशेदपुर।

उत्तराखंड में बदरीनाथ-केदारनाथ में गर्भगृह और परिसर में मोबाइल-कैमरे पर प्रतिबंध होगा

देहरादून(संवाददाता)। बदरीनाथ धाम और केदारनाथ मंदिर में गर्भगृह और मंदिर परिसर के 50 मीटर के दायरे में मोबाइल, कैमरे पूर्ण प्रतिबंधित रहेंगे।बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने मंगलवार को कैनाल रोड स्थित एक होटल में प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि इसके लिए एसओपी जल्द जारी की जा रही है। प्रतिबंध को सख्ती से लागू कराया जाएगा।उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी, रील बनाने वालों के कारण कई बार असहज स्थिति पैदा हो जाती है। अब इससे श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। धाम में दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं के फोन, कैमरा रखने को भी उचित व्यवस्था की जाएगी। मंदिर समिति के लॉकर के साथ ही स्थानीय दुकानदारों को भी लॉकर आवंटित किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि यात्रा दर्शन एसओपी भी फाइनल की जाएगी। ताकि श्रद्धालुओं की सुविधा का अधिक से अधिक ध्यान रखा जा सके। कहा कि गर्भ गृह समेत मंदिर परिसर क्षेत्र में गैर सनातनियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। ये कोई नई व्यवस्था नहीं है। बल्कि आदि गुरु शंकराचार्य के समय से चली आ रही व्यवस्था है। मंदिर समिति की वेबसाइट को और अधिक सुव्यवस्थित बनाया जा रहा है। मंदिरों के जीर्णोद्धार और यात्रा पूर्व रखरखाव, विज्ञापन नीति, कर्मचारी स्थानांतरण नीति लागू की जा रही है। इस अवसर पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कपरुवाण, सदस्य प्रह्लाद पुष्पवान, मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ मौजूद रहे।बदरी केदार में पूजा के रेट में भी सालाना 10% की वृद्धि: अध्यक्ष द्विवेदी ने बताया कि बदरी केदार धाम में होने वाली पूजाओं के शुल्क में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है। बोर्ड के इस फैसले के अनुरूप आगे जल्द शुल्क जारी कर दिए जाएंगे। अभी बदरीनाथ धाम में महाभिषेक पूजा 4700 रुपए, अभिषेक पूजा 4500 रुपए, पूरे दिन की पूजा 12 हजार, श्रीमद भागवत शप्थ पाठ 51 हजार रुपए, वेद पाठ 2500 रुपए, गीता पाठ 2500 रुपए शुल्क निर्धारित है। केदारनाथ धाम में महाभिषेक पूजा 9500 रुपए, रुद्राभिषेक पूजा 7200 रुपए, लघुरुद्राभिषेक पूजा 6100 रुपए, पूरे दिन की पूजा 28600 रुपए शुल्क लिया जाता है। इन रेट में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।सेंगूल प्रकरण की होगी जांच: सेंगूल को केदारनाथ धाम से बाहर ले जाने वाले प्रकरण की जांच हो रही है। इसके लिए बीकेटीसी की एक सब कमेटी का गठन हो गया है। धाम से बाहर सेंगूल को नहीं ले जाया जा सकता है। इसके लिए जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। केदारनाथ रावल के अपना उत्तराधिकारी खुद तय करने के सवाल पर अध्यक्ष द्विवेदी बोले की रावल को इसका अधिकार नही है। नियुक्ति बीकेटीसी के मानकों के अनुसार ही होगी।सुगम यात्रा व्यवस्था को हो रहे इंतजाम: अध्यक्ष द्विवेदी ने कहा कि श्री केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अब श्री बदरीनाथ में पुनर्निर्माण के काम चल रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। सम्पादक - राजेश पंत
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़ने के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com